इस पूरे विवाद के बाद लीड्स ने माफी मांगी है। आखिर दुनिया के सबसे बड़े आतंकवादी ओसामा बिन लादेन की तस्वीर दर्शकों के बीच लगाना सही नहीं कहा जा सकता। टीवी पर मैच देख रहे दर्शकों ने अल–कायदा के पूर्व सरगना और साल 2011 में अमेरिका में 9/11 के हमले के लिए जिम्मेदार लादेन की तस्वीर को देखा।

फुटबॉल मैच के कार्डबोर्ड फैंस में ओसामा बिन लादेन की तस्वीरे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। इंग्लिश फुटबॉल में कार्डबोर्ड फैंस को लेकर बड़ा विवाद हो गया। इसमें लीड्स यूनाइटेड के एक मैच में ओसामा बिन लादेन के चेहरे वाला एक कार्डबोर्ड सामने आया है। पिछले महीने एनआरएल में एक विवाद हो गया था जब एक मैच के दौरान कार्डबोर्ड पर एक सीरियल किलर का चेहरा लगा हुआ था।

अब लीड्स यूनाइटेज को इसी तरह की शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा है। कोरोना वायरस के चलते दर्शकों को मैदान में आने की इजाजत नहीं है। ऐसे में दुनियाभर की लीगस नकली फैंस रख रही हैं ताकि स्टेडियम पूरी तरह खाली नजर न आए। क्लब ने अब वादा किया है कि 15000 कार्डबोर्ड दर्शकों में कोई और आपत्तिजनक तस्वीर नहीं होगी। प्रशंसक और जानकार हालांकि सोशल मीडिया पर भड़क रहे हैं। कई लोगों का कहना है कि आखिर बिन लादेन के चेहरे वाला कार्डबोर्ड अंदर आया कैसे। वह इसमें सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठा रहे हैं।

संजीता चानू को अब मिलेगा 2018 के लिए अर्जुन अवॉर्ड

अर्जुन अवार्ड

वेटलिफ्टर को दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश के अनुसार मिलेगा अर्जुन पुरस्कार

■चानू को अंतरराष्ट्रीय महासंघ ने डोपिंग के सभी आरोपों से कर दिया है मुक्त

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। डोप के दाग से मुक्त कॉमनवेल्थ गेम्ल की दो बार की गोल्ड मेडलिस्ट वेटलिफ्टर संजीता चानू को अंततः प्रतिष्ठित अर्जुन अवॉर्ड मिलेगा जो 2018 से रुका हुआ है। खेल मंत्रालय के सूत्रों ने पुष्टि की है कि चानू को 2018 के दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश के अनुसार अर्जुन पुरस्कार मिलेगा। हाई कोर्ट ने चयन समिति को चानू के नाम पर विचार करने को कहा था और अपने फैसले को सीलबंद लिफाफे में रखने को कहा था जिसे चानू के डोपिंग के आरोपों से मुक्त होने की स्थिति में ही खोला जाना था।

मंत्रालय के सूत्रों ने कहा, 'संजीता (चानू) को अंतरराष्ट्रीय महासंघ ने डोपिंग के सभी आरोपों से मुक्त कर दिया है। इसलिए हमें दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश का पालन करना होगा और अर्जुन अवॉर्ड के लिए उनके नाम पर विचार करना होगा।' अर्जुन अवॉर्ड के लिए 2017 में अनदेखी के बाद चानू ने दिल्ली हाई कोर्ट में रिट दायर करके इस प्रतिष्ठित पुरस्कार की सूची से उनके नाम की अनदेखी के फैसले को चुनौती दी थी। मामला हाई कोर्ट में लंबित रहने के दौरान मई 2018 में वह प्रतिबंधित पदार्थ के लिए पॉजिटिव पाई गई थीं लेकिन हाई कोर्ट ने उसी साल अगस्त में अपने आदेश में समिति को पुरस्कार के लिए उनके नाम पर विचार करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने अपने फैसले को सीलबंद लिफाफे में रखने को कहा था जब तक कि डोप आरोपों के खिलाफ उनकी अपील पर फैसला लंबित रहे। आईडब्ल्यूएफ ने पिछले महीने चानू के खिलाफ डोपिंग के आरोप हटा दिए थे। मणिपुर की यह वेटलिफ्टर इस दौरान मानसिक परेशानी का सामना करने के लिए आईडब्ल्यूएफ से मुआवजा मांगने की योजना बना रही हैं। आईडब्ल्यूएफ ने विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) की सिफारिश के आधार पर चानू को आरोप मुक्त किया था जिसके बाद राष्ट्रीय महासंघ ने खेल मंत्रालय को पत्र लिखकर हाई कोर्ट के आदेश का पालन करने को कहा।

भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के महासचिव ने भी पीटीआई को पुष्टि की है कि चानू को अर्जुन अवॉर्ड मिलेगा। अधिक जानकारी दिए बिना उन्होंने कहा, 'इसकी पुष्टि हो चुकी है, संजीता को 2018 का अर्जुन पुरस्कार मिलेगा।' 26 साल की चानू ने 2014 और 2018 में लगातार दो राष्ट्रमंडल खेलों में क्रमशरू 48 और 53 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीते थे। उन्होंने 2016 और 2017 में अर्जुन अवॉर्ड के लिए आवेदन किया था लेकिन दोनों मौकों पर उनकी अनदेखी की गई।

मैंने कभी हार नहीं मानी, अपनी वापसी की कहानी पर बोले श्रीसंत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कोच्चि। लगातार 12 दिन की पूछताछ। जेल में बिताए 27 दिन। स्पॉट फिक्सिंग के आरोप में सात साल का प्रतिबंध। और इसके बाद से इस टैग के साथ जीना। लेकिन एस. श्रीसंत ने कभी हार नहीं मानी। इस दौरान उन्होंने राजनीति, फिल्म, रिएलटी शो, सब जगह हाथ आजमाया लेकिन कोच्चि के इस तेज गेंदबाज ने अपने पहले प्यार यानी क्रिकेट को कभी नहीं भुलाया।

श्रीसंत पर पहले आजीवन प्रतिबंध लगा था जो बाद में सात साल का हो गया। उन पर लगा यह सात साल का बैन 13 सितंबर को समाप्त हो जाएगा। बीते दो महीने से उन्होंने अपने क्रिकेटिंग स्किल को निखारने के लिए इनडोर ही प्रैक्टिस शुरू कर दी है। उन्होंने कहा, श्मैं सप्ताह में छह दिन 14 ओवर रोज गेंदबाजी करता हूं। मैं नई गेंद, थोड़ी पुरानी गेंद और लाल गेंद से प्रैक्टिस करता हूं। मं खुद को हर फॉर्मेट के लिए तैयार रखना चाहता हूं। जब भी क्रिकेट शुरू होगा तब पता नहीं कौन सा प्रारूप पहले खेला जाएगा इसलिए मैं हर फॉर्मेट के लिए तैयार रहना चाहता हूं। 37 साल की उम्र में वापसी करना आसान नहीं है और श्रीसंत भी इस बात को अच्छी तरह जानते हैं। वह कहते हैं, मैं अपना दिन योग और मेडिटेशन से शुरू करता हूं। मैंने टिम ग्रोवर (एनबीए के फिजिकल और मेंटल ट्रेनिंग कंडीशनिंग कोच) के सप्ताह में तीन बार ऑनलाइन सेशन भी अटेंड किए हैं।

श्रीसंत ने माना कि इतना वक्त तक क्रिकेट से दूर रहने के बाद वह खेल के नियमों में आए कई बदलावों से वाकिफ नहीं थे। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता था कि वनडे इंटरनैशनल में अब दोनों छोर से नई गेंद इस्तेमाल की जाती है। उन्होंने कहा, मेरे पास पुराने खेल का सिर्फ अनुभव है। इसके साथ मुझे यही सोचना होगा कि मैं अपना डेब्यू कर रहा हूं।

ट्रेनिंग को बेचौन हैं मुक्केबाज खेल मंत्री को भी बताया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाज महासंघ (बीएफआई) को उम्मीद है कि मुक्केबाजों को जल्द ही पटियाला के नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स (एनएसआई) में ट्रेनिंग शुरू करने की इजाजत दी जाएगी। केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू की मंगलवार को राष्ट्रीय खेल संघों के अध्यक्षों व महासचिवों के साथ बैठक में कई मुद्दों के साथ यह मुद्दा भी उठाया गया। कैंप को 10 जून से शुरू करने के लिए प्रशासन से मंजूरी नहीं मिलने के बाद उन मुक्केबाजों के कैंप को कर्नाटक के बेलारी स्थित जेएसडब्ल्यू के इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट भेज दिया गया, जो तोक्यो ओलिंपिक के लिए क्वॉलिफाइ कर चुके हैं। बीएफआई के महासचिव जय कोवली ने बुधवार को आईएएनएस से कहा, 'उन्होंने हमारे मुद्दों को सुना है और वे हमसे संपर्क करेंगे।'

कोवली ने कहा, 'हमने मंत्री को अपनी मौजूदा स्थिति से अवगत करा दिया है। मुक्केबाज बेचौनी की तरह महसूस कर रहे हैं। हर किसी के पास मेरी कॉम जैसी सुविधाएं नहीं हैं। मैरी कॉम के पास अपने घर में ट्रेनिंग करने की सुविधा है, लेकिन सभी मुक्केबाजों के पास ऐसा नहीं है।'

न्यूज डायरी

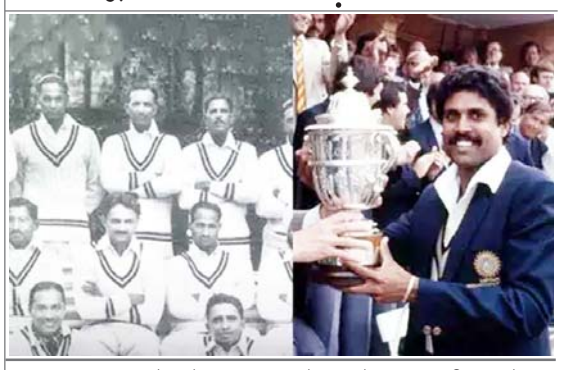

25 जून को टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण के दिन ही वनडे चौंपियन बना था भारत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। दिन भी वही था और मैदान भी, बस अंतर था तो फॉर्मेट का और 51 साल का। भारत ने 25 जून 1932 को ऐतिहासिक लॉर्ड्स में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था और इसी दिन 1983 को वह वनडे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वर्ल्ड चौंपियन बना। कर्नल सीके नायुडू की अगुआई में भारतीय टीम जब अपना पहला टेस्ट मैच खेलने के लिए उतरी थी तो उसने तीन दिन में मैच गंवाने के बावजूद इंग्लैंड को कड़ी टक्कर दी थी।

उस टेस्ट मैच में अगर अंतर पैदा किया था तो इंग्लैंड के कप्तान डगलस जार्डिन ने जो भारत में जन्मे थे जिस कारण एक बार उन्हें भारतीय टीम की कमान सौंपने की चर्चा भी चली। जार्डिन ने उस मैच में 79 और 85 रन की पारियां खेली थी और भारत 158 रन से हार गया था। वहीं, दूसरी तरफ दिग्गज ऑलराउंडर कपिल देव की कप्तानी में भारतीय टीम पहली बार जब वर्ल्ड कप फाइनल खेलने के लिए उतरी तो किसी को भी उम्मीद नहीं थी कि वह चौंपियन बन पाएगी।

भारत में मैच फिक्सिंग को अपराध घोषित करना क्रिकेट के लिए प्रभावी कदम होगा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। इंटरनैशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की ऐंटी करप्शन यूनिट (एसीयू) के एक वरिष्ठ अधिकारी का मानना है कि भारत में मैच फिक्सिंग को अपराध घोषित करना चाहिए। उन्होंने साथ ही कहा कि ऐसा करना उस देश में 'सबसे प्रभावी कदम' होगा जहां कड़ा कानून नहीं होने से 'पुलिस के हाथ भी बंधे हुए' हैं। कानूनी विशेषज्ञ भारत में मैच फिक्सिंग को अपराध घोषित करने के लिए वर्षों से वकालत कर रहे हैं क्योंकि क्रिकेट में भ्रष्ट गतिविधियों की जांच करते समय संबंधित अधिकारियों के हाथ कानून से बंधे होते हैं। आईसीसी एसीयू के जांच समन्वयक स्टीव रिचर्ड्सन ने 'क्रिकइन्फो' से कहा, 'अभी कोई कानून नहीं है। हमारे भारतीय पुलिस के साथ अच्छे संबंध हैं लेकिन उनके भी हाथ बंधे हुए हैं। हम भ्रष्टाचारियों के प्रयासों को नाकाम करने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे और हम उन्हें स्वतंत्र रूप से संचालन नहीं करने देते हैं और जितना संभव हो सकता है, उनका जीना मुहाल करके रखते हैं।'

भारतीय कराटे संघ की मान्यता रद्द

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। विश्व कराटे महासंघ (डब्ल्यूकेएफ) ने पिछले साल चुनावों के दौरान इस वैश्विक संस्था के नियमों का पालन नहीं करने के कारण भारतीय कराटे संघ (केएआई) की तुरंत प्रभाव से अस्थायी तौर पर मान्यता रद्द कर दी है। डब्ल्यूकेएफ ने कहा कि जांच के बाद यह फैसला किया गया। डब्ल्यूकेएफ के प्रमुख एंटोनियो एस्पिनोस ने केएआई के अध्यक्ष हरिप्रसाद पटनायक को पत्र भेजकर यह जानकारी दी। एस्पिनोस ने लिखा है, 'भारतीय कराटे संघ की स्थिति की समीक्षा के लिए गठित आयोग की जांच के बाद डब्ल्यूकेएफ कार्यकारी समिति ने नियमों के अनुसार 22 जून से तुरंत प्रभाव से केएआई की मान्यता अस्थायी तौर पर रद्द करने का फैसला किया है जिसके कि आप अध्यक्ष हैं।' विश्व संस्था ने साफ किया है कि वह भारतीय संघ के अंदरूनी कलह से खुश नहीं हैं जिसके कारण पिछले साल जनवरी में नियमों का उल्लंघन करके चुनाव कराए गए।

इरफान पठान ने पोस्ट की तस्वीर, युवराज सिंह ने लिए फील्डिंग पर मजे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। कोरोना वायरस के कारण भारतीय क्रिकेट और इससे जुड़ी गतिविधियों पर पिछले काफी समय से ब्रेक लगा हुआ है। इस वजह से खेल जगत की दिग्गज हस्तियां सोशल मीडिया पर काफी ऐक्टिव हैं। इसी बीच टीम इंडिया के पूर्व पेसर इरफान पठान ने सोशल मीडिया पर एक फोटो पोस्ट कर अपने गेंदबाजी ऐक्शन को लेकर ही मजाक किया। 35 साल के पूर्व भारतीय गेंदबाज इरफान पठान ने सिफाका की एक तस्वीर शेयर की और कैप्शन में लिखा, काफी करीब है? इरफान ने जो तस्वीर पोस्ट की, उसमें सिफाका ने अपने हाथों को खोला हुआ है और वह इस अंदाज में खड़ा है जैसे बोलिंग का ऐक्शन होता है।